## एक नजर में

### बाघ दिवस और एक पेड़ मां के नाम का आयोजन

**शाहपुर।** वन परिक्षेत्र भौंरा सामान्य उत्तर वन मंडल बैतूल के अंतर्गत ग्राम धपाड़ा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस एवं एक पेड़ मां के नाम का का कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे सरपंच श्रीमती सुमंत्रा चौहान पी.सी. बारस्कर, नारायण यादव एवं विद्यालय के समस्त अध्यापक एवं परिक्षेत्र अधिकारी भौंरा बृजेंद्र तिवारी एवं वन समस्त स्टाफ द्वारा कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न किया गया। कार्यक्रम में बाघ को संरक्षण करने हेतु रैली, प्रश्नोतरी, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भाग लेने विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय इनाम वितरित किया गया। इसी प्रकार शासकीय हाई स्कूल धार एवं कुप्पा मे भी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

### साईं सेवा समिति ने किया खिचड़ी का वितरण

**भौंरा।** गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भौंरा नगर के बस स्टैंड पर साईं सेवा समिति द्वारा श्रद्धा, सेवा और समर्पण की भावना के साथ खिचड़ी प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ साईं बाबा के छायाचित्र का विधि-विधान से पूजन-अर्चन एवं खिचड़ी का भोग अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी प्रसाद का वितरण प्रारंभ हुआ, जो देर शाम तक निरंतर चलता रहा। आयोजन के दौरान नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। साईं सेवा समिति के सदस्यों ने पूरे आयोजन के दौरान व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालते हुए श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित ढंग से प्रसाद वितरित किया। आयोजन स्थल पर देर शाम तक भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं की लगातार उपस्थिति देखने को मिली। साईं सेवा समिति द्वारा वर्षभर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक सेवा कार्य किए जाते हैं। समिति प्रत्येक वर्ष गुरु पूर्णिमा के अवसर पर खिचड़ी प्रसाद वितरण का आयोजन कर श्रद्धालुओं की सेवा करती है। इसके अलावा समय-समय पर जरूरतमंदों की सहायता, धार्मिक आयोजनों में सहयोग तथा जनसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का भी संचालन किया जाता है। समिति का उद्देश्य सेवा, सहयोग और सामाजिक समरसता की भावना को निरंतर बढ़ावा देना है।

### तेज बारिश में गिरा पेड़, दुर्घटना टली

**शाहपुर।** तेज बारिश के चलते पतौवापुरा में रात 12.00 के बाद सोनी प्रोविजन दुकान के सामने लगा पेड़ सड़क पर गिर गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर शाहपुर में चल रही नल जल योजना की खुदाई के चलते पेड़ की जड़े कट गई। इसलिए वह पेड़ अचानक गिर पड़ा। लोगों ने बताया कि वह पेड़ लगभग 30-35 वर्ष पुराना है। लोगों का कहना है कि पहले भी ऐसे सुखे पेडो की जानकारी नगर परिषद शाहपुर को कई बार दी गई। ऐसे गिरने वाले चिन्हित पेड़ों को नगर परिषद के द्वारा हटा देना चाहिए। पेड़ गिरने से रात भर आवागमन भी बंद रहा। जिससे नगर के नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सुबह 11 के लगभग इस पेड़ को सड़क मार्ग से हटाया गया और 12 के लगभग बिजली प्रदाय की गई। पेड़ गिरने की घटना को लेकर नगर परिषद शाहपुर के अधिकारी साहबराव पंडाग्रे ने बताया कि आने वाले समय में नगर में ऐसी कोई दुर्घटना ना घटे।

# बारिश से शहर की डामर सड़कों पर हुए गड्ढे, पेवर ब्लाक से भरे

**नवभारत न्यूज**

**बैतूल, 30 जुलाई. बारिश का मौसम शुरू होते ही शहर की डामर सड़के भी गड्ढों में तब्दील होने लगी है। इन गड्ढों से बचने के चक्कर में वाहन चालक गिर रहे है। वहीं गड्ढों में पानी भरने से कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी दिखाई देने लगी हैं।**

**वाहन चालकों और राहगीरों को मिली राहत**

**डामर का काम नहीं होने से नपा ने खोजा रास्ता**

इससे वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक खराब स्थिति गंज क्षेत्र से रेलवे स्टेशन मार्ग की है, जहां सड़क कई जगह उखड़ चुकी है और गडढों में पानी भरने से दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। यह हाल शहर के वार्डों की सडकों के ही नहीं, अपितु प्रमुख चौराहों पर भी सडकों में गड्ढे नजर आ रहे हैं। दरअसल बारिश में सडकों की खस्ता हालत का मुख्य कारण पानी निकासी के इंतजाम नहीं होना हैं। जिसके कारण सडक पर पानी भर जाता है। इस वजह से यह सडक महज कुछ माह ही टिकती है और इसके बाद सडक पर गड्ढे हो जाते हैं। हालांकि अब जितनी भी प्रमुख सड़के बनाई जा रही हैं उनमें नगरपालिका द्वारा नाली निर्माण भी कराया जा रह हैं। लेकिन जो पुरानी सड़के है, उन सड़कों पर पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है। इसलिए सड़क बारिश में गड्ढों में तब्दील हो जाती है। जिसकी अभी तक मरम्मत तक नहीं कराई गई है। नपा का कहना है बारिश शुरू होने के बाद डामरीकरण कर मरम्मत करना संभव नहीं है। इसके अलावा पिछले कई महीनों से डामर की सप्लाई भी बंद है। जिसके कारण बारिश से पहले सडकों का नियमित मेंटेनेंस नहीं किया जा सका। अब तत्काल मरम्मत के लिए पेवर ब्लॉक का इस्तेमाल शुरू किया गया है। गड्ढों में पेवर ब्लाक बिछाकर उन्हें कांक्रीट से सेट किया जा रहा है। जिससे वाहन चालकों को गड्ढों से राहत मिल सके। वैसे नगर पालिका के इंजीनियरों का दावा है कि यह तकनीक हाईवे और फोरलेन सड़कों पर भी अपनाई जाती है और बारिश के दौरान सबसे प्रभावी विकल्प मानी जाती है, ताकि बारिश के दौरान परेशानी से निजात मिल सके।

**बारिश में डूब जाती है सडके :** सडक पर पानी निकासी के इंतजाम नहीं होने से बारिश के दौरान सडके डूब जाती है। गंज क्षेत्र में रेलवे स्टेशन के पास बारिश में सड़क का यहीं हाल रहता है। जिससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। वहीं कॉलेज चौक पर बीच चौक पर सडक की हालत खस्ताहाल हो गई है।

> बारिश के दौरान डामरीकरण तकनीकी रूप से संभव नहीं होता, इसलिए गड्ढों की मरम्मत करने पेवर ब्लॉक लगाए जा रहे हैं। यह तकनीक मजबूत और टिकाऊ है तथा हाईवे और फोरलेन पर भी अपनाई जाती है।
> **- पंकज धुर्वे,** सब इंजीनियर, नगरपालिका बैतूल

### नपा गड्ढों में भर रही पेवर ब्लाक

नगर पालिका द्वारा सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से की कटिंग की जा रही है। इसके बाद वहां व्यवस्थित तरीके से पेवर ब्लॉक लगाए जा रहे हैं ताकि सडक़ की सतह समतल हो सके और दोबारा गड्ढे बनने की संभावना कम रहे। कुछ स्थानों पर ब्लॉकों को अधिक मजबूती देने के लिए सीमेंट-कांक्रीट का भी उपयोग किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस तकनीक से भारी वाहनों के दबाव में भी सड़क लंबे समय तक सुरक्षित रहती है। गंज क्षेत्र में आबकारी कार्यालय से रेलवे स्टेशन होते हुए भाजपा कार्यालय तक की सडक़ सबसे ज्यादा प्रभावित है। रेलवे स्टेशन के सामने सड़क पर दर्जनों गड्ढे हो गए हैं और कुछ हिस्सों में डामर पूरी तरह उखड़ चुका है। बारिश का पानी भरने से गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी हो रही है।

### प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आना-जाना

शहर की मुख्य सडकों पर प्रतिदिन हजारों वाहनों का आवागमन होता है। दिन में तो वाहन चालक जैसे-तैसे सड़क के गड्ढों से बच भी जाते है, किन्तु रात्रि में गड्ढे नजर नहीं आने से कई बार वाहन चालक गिरकर चोटिल हो चुके है। जागरूक नागरिकों का कहना है कि शहर में सडकों का निर्माण तो कराया जाता है, लेकिन यह सड़क चंद सालों में ही खराब हो जाती है। जिसके बाद लंबे समय तक इनकी मरम्मत तक नहीं होती है। मरम्मत के अभाव में सडकों पर बने गड्ढों का आकार बढ़ता है और सडक जल्द ही खराब हो जाती है। वहीं वाहन चालक सड़क पर बने गड्ढों से बचने के चक्कर में दुर्घटनाग्रस्त होकर चोटिल होते है। गड्ढों के वजह से वाहनों के टकराने की भी घटनाएं अक्सर सामने आती है। बार-बार वाहन गड्ढे में जाने से वाहन में टूट-फूट हो रही है। जिससे चालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

## हादसा : रेलवे की दिवार गिरी, एक मजदूर की मौत, दूसरा घायल

**बैतूल।** बुधवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बीच गंज थाना क्षेत्र में रेलवे की बाउंड्रीवॉल गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। रेलवे की दीवार से सटाकर बनाई गई झोपड़ी पर अचानक बाउंड्री वॉल भरभराकर गिर गई। हादसे के समय झोपड़ी में सो रहे 27 वर्षीय मजदूर राहुल उइके मलबे में दब गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका साथी शनि सिंह मामूली रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर मलबे से शव बाहर निकाला। पुलिस ने मर्ग कायम कर

जांच शुरू कर दी है। हादसा गंज थाना क्षेत्र में रेलवे बाउंड्री के पास देर रात करीब 3 से 4 बजे के बीच हुआ। लगातार हो रही तेज बारिश के दौरान रेलवे की बाउंड्री वॉल अचानक ढह गई और उसके सहारे बनाई गई झोपड़ी पर आ गिरी। दीवार गिरते ही झोपड़ी पूरी तरह मलबे में दब गई। मृतक राहुल उइके (27) पिता चरण उइके ग्राम देवखापा (खापा), जिला पांढुर्ना के रहने वाले थे। उनके साथ शनि सिंह (35) पिता लखविंदर सिंह निवासी राजस्थान भी उसी झोपड़ी में रहते थे। दोनों लंबे समय से रेलवे बाउंड्री वॉल से सटाकर बनाई गई झोपड़ी में रहकर मजदूरी कर रहे थे। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है और वे बैतूल के लिए रवाना हो चुके हैं। परिजनों के पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में लगातार हुई भारी बारिश के कारण रेलवे की बाउंड्री वॉल गिरना हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। शहर में इस मानसून की रिकॉर्ड बारिश के बाद यह पहली बड़ी जनहानि की घटना है। रेस्क्यू अभियान में पुलिस आरक्षक अनिरुद्ध यादव और एसडीआरएफ की टीम की भूमिका रही।

## बारिश से घरों में घुसे जहरीले सांप, किया रेस्क्यू

**बैतूल। तेज बारिश के बाद जहरीले सांप रिहायशी इलाकों तक पहुंचने लगे हैं। गुरुवार सुबह शहर और ग्रामीण क्षेत्र के दो अलग-अलग घरों में कोबरा और रसेल वाइपर सांप मिलने से हड़कंप मच गया।**

सूचना मिलने पर सर्पमित्र ने दोनों सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू कर उन्हें वन क्षेत्र में छोड़ दिया। पहली घटना गुरुवार सुबह करीब 5:30 बजे बडोरा स्थित स्काई सिटी के पास महेंद्र शोरूम के समीप हुई। यहां महेश बोखारे के कच्चे मकान में रखे सोफे के अंदर करीब 5 फीट लंबा कोबरा छिपा मिला। परिवार की नजर पड़ते ही अफरा-

तफरी मच गई। सूचना मिलने पर सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक कोबरा का रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। दूसरी घटना सुबह करीब 9 बजे डोंडवाड़ा गांव में सामने आई। यहां रमेश वाघमारे के घर की रसोई में गैस सिलेंडर के नीचे एक रसेल वाइपर सांप छिपा मिला। परिवार ने तत्काल सर्पमित्र को सूचना दी। मौके पर पहुंचे विशाल विश्वकर्मा ने सुरक्षित तरीके से सांप को पकड़कर आबादी से दूर वन क्षेत्र में छोड़ दिया। सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा ने बताया कि लगातार हो रही बारिश से सांपों के बिलों में पानी भर जाता है। ऐसे में वे सुरक्षित और सूखी जगह की तलाश में घरों, गोदामों और अन्य रिहायशी इलाकों में पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों, खेतों और हरियाली वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को इस मौसम में विशेष सतर्क रहने की जरूरत है।

## संत रविदास मंदिर में विधायक एवं नपाध्यक्ष ने जलाए 650 दीप

**मुलताई।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी समरसता संकल्प अभियान के तहत बुधवार गुरु पूर्णिमा केअवसर पर ताप्ती तट पर स्थित संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास मंदिर परिसर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया,जब मंदिर परिसर में 650 दीपों का सामूहिक प्रज्वलन किया गया।इस दौरान विधायक चंद्रशेखर देशमुख, नपा अध्यक्ष नीतू परमार, पूर्व विधायक एवं भाजपा जिला मंत्री सुनीता बेले एवं जिलाध्यक्ष उपाध्यक्ष जगदीश पवार द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दीपों की स्वर्णिम आभा ने समूचे वातावरण को आलोकित करते हुए सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। कार्यक्रम पूज्य गुरुजी एवं संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास समाज विकास समिति के जिला अध्यक्ष अविनाश बिंझाड़े, संरक्षक सदस्य ओमकार टिटारे , सदस्य धनलाल बिंजाड़े , दिनेश मोहबे एवं राजू झारे की गरिमामयी उपस्थिति में श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण के मध्य संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने कहा संत कभी किसी एक समाज के नहीं वरन पूरे राष्ट्र के होते हैं।

## सतपुड़ा बांध का बढ़ा जलस्तर, सात गेट खुले

**पाथाखेड़ा।** सतत हो रही वर्षा के चलते सतपुड़ा बांध के जलग्रहण क्षेत्र में पानी की आवक तेज हो गई है। गुरुवार सुबह 8 बजे जारी जलाशय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार सतपुड़ा बांध का जलस्तर बढ़कर 1430.45 फीट पहुंच गया। बीते 24 घंटों में 89 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि इस मानसून सत्र में अब तक 367 मिलीमीटर संचयी वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है।बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए गुरुवार सुबह 6:00 बजे से 8:00 बजे तक बांध के 7 गेट 4-4 फीट तक खोलकर अतिरिक्त पानी की निकासी की गई। इससे तवा नदी में जलप्रवाह अचानक बढ़ गया,

जिसके चलते नदी किनारे रहने वाले लोगों एवं मछुआरों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग लगातार जलस्तर और वर्षा की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। यदि वर्षा का सिलसिला इसी प्रकार जारी रहा तो आने वाले दिनों में बांध के गेट पुन: खोले जा सकते हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे नदी, पुल-पुलियों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास अनावश्यक आवाजाही से बचें तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देकर केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं का ही पालन करें।

## कर्तव्य से अनुपस्थित रहने वाला आरक्षक सेवा से बर्खास्त

**बैतूल।** बिना किसी सूचना के लंबे समय से कर्तव्य से अनुपस्थित रहने वाले आरक्षक क्रमांक 386 हरिकृष्ण प्रजापति पिता चुन्नीलाल प्रजापति (30) निवासी ग्राम सांवरी बाजार, तहसील मोहखेड़, थाना लावाघोघरी, जिला छिंदवाड़ा, के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही करते हुए उन्हें पुलिस सेवा से बर्खास्त किए जाने का आदेश पारित किया गया है। उक्त आरक्षक हरि कृष्ण प्रजापति 23 मार्च 2017 को आरक्षक पद पर चयनित हुआ था। जिसकी अंतिम पदस्थापना थाना मोहदा जिला बैतूल में थी। वह 12 सितंबर 2023 से बिना किसी पूर्व सूचना अथवा अनुमति के लगातार अनुपस्थित चल रहा था। उसे कर्तव्य पर उपस्थित होने हेतु विभाग द्वारा कई बार नोटिस जारी किए गए, किन्तु इसके बावजूद वह ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हुआ। इसके पश्चात उसके विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित की गई। जांच में यह सिद्ध हुआ कि आरक्षक हरिकृष्ण प्रजापति बिना किसी वैध कारण के लगातार कर्तव्य से अनुपस्थित रहा तथा नोटिसों की तामील के बावजूद उसने अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया। उक्त आचरण को पुलिस सेवा के अनुशासन एवं कर्तव्य के प्रति गंभीर उदासीनता मानते हुए एसपी वीरेंद्र जैन द्वारा उसे सेवा से बर्खास्त किए जाने का आदेश पारित किया गया।

## ज्यादा बिजली बिल पर जताया विरोध, दिया धरना

**मुलताई।** नगर के ताप्ती वार्ड में स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं के बिजली बिल ज्यादा आने के विरोध में ताप्ती वार्ड पार्षद निर्मला बेले के साथ महिलाओ ने गुरुवार को बिजली कंपनी के कार्यालय पहुंचकर पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रही महिलाओ ने स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर लगाने और उपभोक्ता की अनुमति के बिना नए मीटर नहीं लगाने की बात रखी। पार्षद निर्मला उबनारे सहित महिलाओं का कहना है उनके घरों में स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल दोगुने से भी अधिक आ रहे हैं। इससे आम परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया

है। उन्होंने कहा कि कई घरों में उपभोक्ताओं की सहमति के बिना ही पुराने मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगा दिए गए हैं, जिससे लोगों में नाराजगी है।धरने की सूचना मिलने पर बिजली कंपनी के सहायक यंत्री सुमित सोनी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रही महिलाओं से चर्चा कर बताया की स्मार्ट मीटर से अधिक बिल आने की कोई तकनीकी समस्या नहीं है, यदि किसी उपभोक्ता को बिल संबंधी शिकायत है, तो उसकी अलग से जांच कराई जाएगी। जांच में कोई त्रुटि पाए जाने पर नियमानुसार उसका समाधान किया जाएगा।

## ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी का पर्दाफाश, एक और आरोपी गिरफ्तार

**बैतूल। थाना कोतवाली पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों एवं सतत विवेचना के आधार पर फरवरी माह में हुई ट्रैक्टर-ट्रॉली में एक और आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है।**

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी शिवराज सिंह परमार, निवासी ग्राम रातामाटी ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका महिन्द्रा कंपनी का ट्रैक्टर 21 फरवरी 2026 को अपने खेत में खड़ा किया गया था, जिसे अगले दिन अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली

में धारा 305(बी) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। जांच के दौरान पुलिस ने संभावित स्थानों पर तलाश की तथा सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया। मर्दवानी-खारागोंदी के कच्चे मार्ग स्थित जामुन नाला जंगल के समीप अज्ञात आरोपी ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से लगभग 8 लाख रुपये मूल्य का महिन्द्रा अर्जुन नोवो 605 डीआई ट्रैक्टर एवं ट्रॉली बरामद कर विधिवत जब्त कर लिया था। प्रकरण की विवेचना के दौरान घटनास्थल एवं बरामदगी स्थल से प्राप्त तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध आकाश पिता धनराज सिंह ठाकुर उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम रातामाटी को बैतूल से हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से घटना के समय प्रयुक्त मोटरसायकल और मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। बता दे कि इस मामले में कमलेश यादव निवासी बांसपानी और दिनेश यादव निवासी महुपानी को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक देवकरण डेहरिया, उपनिरीक्षक राकेश कुमार सरयाम, प्रधान आरक्षक दिनेश निमोदा, आरक्षक उज्जवल दुबे तथा साइबर सेल के आरक्षक राजेंद्र धाड़से की विशेष भूमिका रही।

**आरोप** जनपद पंचायत आमला एक बार फिर प्रशासनिक निर्णयों को लेकर चर्चा में

# जनपद आमला में जिन पर आरोप, उन्हीं के हाथों में खजाने की चाबी

**आमला।** जनपद पंचायत आमला एक बार फिर प्रशासनिक निर्णयों को लेकर चर्चा में है। आरोप है कि भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में नाम आने के बावजूद कुछ कर्मचारियों को न केवल महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं, बल्कि सेवा-वृद्धि के प्रस्तावों पर भी आपत्ति दर्ज नहीं की गई। इससे प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो रहे हैं।जानकारी के अनुसार, संविदा ग्रेड-3 पर कार्यरत सेवानिवृत्त कर्मचारी बबन उमरे के संबंध में भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज होने के बावजूद उनकी सेवा-वृद्धि के प्रस्ताव पर सहमति दी गई। आरोप है कि इस प्रस्ताव पर न तो जनपद पंचायत के सीईओ ने कोई आपत्ति

दर्ज की और न ही बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने विरोध किया।

**वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बीच संवेदनशील शाखाओं का प्रभार :** कार्यालय के एक अन्य कर्मचारी चेतन को लेकर भी आरोप लगाए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि उनके विरुद्ध लगभग ?14 लाख की वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया था। इसके बावजूद उनके पास ट्रेजरी, ई-ऑफिस तथा अन्य महत्वपूर्ण शाखाओं का प्रभार होने की बात कही जा रही है।प्रश्न यह उठ रहा है कि जिन कर्मचारियों के संबंध में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आए हों, उन्हें ही संवेदनशील वित्तीय और प्रशासनिक शाखाओं की जिम्मेदारी किस आधार पर सौंपी गई।क्या पूरे जिले में इन पदों के लिए अन्य योग्य कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं, या फिर कार्य आवंटन के पीछे कोई अन्य प्रशासनिक कारण है।इन प्रश्नों पर प्रशासन की ओर से स्पष्ट जवाब सामने आना बाकी है।आरोप है कि संबंधित कर्मचारी के स्थानांतरण की मांग को लेकर लगभग 10 ग्राम सचिवों ने लिखित शिकायत भी की थी। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने की बात कही जा रही है। यदि शिकायतें प्राप्त हुई थीं, तो उन पर क्या जांच हुई और उसका परिणाम क्या रहा, यह भी स्पष्ट होना चाहिए।इन सभी मामलों ने जनपद पंचायत आमला की प्रशासनिक कार्यप्रणाली, जवाबदेही और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि जिला प्रशासन पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर तथ्य सार्वजनिक करे।

### आरटीई में मांगी उपस्थिति, रिकार्ड उपलब्ध नहीं

सूचना के अधिकार के तहत संबंधित कर्मचारी की उपस्थिति का रिकॉर्ड मांगा गया। आरोप है कि जनपद पंचायत द्वारा कोई उपस्थिति रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया। जबकि संबंधित कर्मचारी को लगभग 40 से 50 हजार प्रतिमाह मानदेय पर संविदा कर्मचारी के रूप में कार्यरत बताया जा रहा है। यदि उपस्थिति का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है, तो भुगतान और कार्य निष्पादन का सत्यापन किस आधार पर किया जा रहा है, यह बड़ा प्रश्न बन गया है।बताया जाता है कि इस संबंध में पूछे जाने पर जनपद पंचायत के सीईओ ने कहा था कि संविदा कर्मचारियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड रखना आवश्यक नहीं है। इस कथित बयान के बाद प्रशासनिक व्यवस्था पर और भी सवाल उठने लगे हैं।

## औद्योगिक हब बनने की संभावनाएं : कलेक्टर

**बैतूल।** जिले में औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। जिले को औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए समन्वित प्रयासों एवं सुनियोजित कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। यह बात कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले की औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में कही। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने कहा कि बैतूल जिले की बेहतर सड़क एवं रेल संपर्क, भोपाल और नागपुर से सीधी कनेक्टिविटी तथा भौगोलिक स्थिति इसे औद्योगिक निवेश के लिए उपयुक्त बनाती है। उन्होंने कोसमी औद्योगिक क्षेत्र के द्वितीय चरण (सेकंड फेज) का विकास कार्य शीघ्र पूर्ण कर भूखंडों की

नीलामी (ऑक्शन) प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों से भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त लैंड बैंक के संबंध में सुझाव देने को कहा, ताकि आगामी समय में उद्योग स्थापना के लिए भूमि संबंधी बाधाओं को कम किया जा सके। बैठक में कोसमी औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कढ़ाई वुडन क्लस्टर के विकास कार्य को 15 सितंबर तक पूर्ण करने तथा डीपीआर एवं निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप उसके आवंटन की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा एचएमटी की भूमि के बेहतर एवं प्रभावी उपयोग पर भी विस्तार से चर्चा की गई।